



स्थानकवासी

जैन इतिहास.

जैन धर्म के आदि प्रचारक क्षत्रिय हैं.

क्षत्रियों ने अपनी शूरीरता के कारण संसार के इतिहासों में बड़ा नाम पाया है परंतु उन्होंने एक महान् धर्म का, जो हम को आत्मा पर विजय पाना सिखलाता है, प्रचारक बन कर इस से भी अधिक यश प्राप्त किया है, क्योंकि प्रबल शत्रुओं की सेना को जीतने की अपेक्षा आत्मा पर विजय प्राप्त करना कहीं अधिक कठिन है ।

इसी सुप्रसिद्ध श्रेष्ठ और यगस्वी क्षत्रिय जाति ने श्री ऋषभदेव से लेकर श्री महावीर तक चौबीस जैन तीर्थंकरों को जन्म दिया है । इन महात्माओं ने इस असार संसार के क्षणिक सुख और संपत्ति पर लाल मारकर साधुओं का अत्यंत सरल और संयमशील जीवन पसंद किया और संसार में " अहिंसा परमो धर्मः " नामके सर्वोत्कृष्ट सिद्धांत का प्रचार किया ।